

S.N.D.T. Womens University

1, NathibaiThackersey Road, Mumbai – 20

Faculty Name : Arts

Subject : Hindi

पीएच.डी.(हिंदी) प्रवेश परीक्षा

पाठ्यक्रम

(Ph.D. (Hindi) Entrance Test Syllabus)

	Topics and details	Marks Assigned		
ईकाई 1	<ul style="list-style-type: none"> ➤ आदि काल की प्रवृत्तियाँ ➤ भक्ति काल : उदभव एवं विकास ➤ निर्गुण एवं सगुण भक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ ➤ रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य ➤ रीति कालीन काव्य में दरबार की भूमिका और रीति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ➤ पुनर्जागरण काल की स्थितियाँ और विकास ➤ छायावाद , प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद ➤ स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी साहित्य ➤ मोहभंग की स्थितियाँ और हिंदी साहित्य ➤ स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी और कविता का आंदोलनात्मक विकास ➤ आपात्काल का साहित्यिक प्रतिफलन 	25		
ईकाई 2	<table border="0"> <tr> <td style="vertical-align: top;"> <p>पद्य रचनाकार</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ कबीर ➤ सूरदास ➤ मीराबाई ➤ बिहारी ➤ भारद्वाज ➤ मैथिलीशरण गुप्त ➤ महादेवी वर्मा ➤ सुमित्रानंदन पंत ➤ मुक्तिबोध ➤ नागार्जुन ➤ त्रिलोचन ➤ धूमिल ➤ दुष्यंतकृष्ण </td> <td style="vertical-align: top;"> <p>पद्य रचनारं</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ पृथ्वीराज रासो ➤ रामचरितमानस ➤ राम की शक्तिपूजा ➤ सरोज स्मृति ➤ कामायनी ➤ मधुशाला ➤ अंधा युग ➤ उर्वशी </td> </tr> </table>	<p>पद्य रचनाकार</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ कबीर ➤ सूरदास ➤ मीराबाई ➤ बिहारी ➤ भारद्वाज ➤ मैथिलीशरण गुप्त ➤ महादेवी वर्मा ➤ सुमित्रानंदन पंत ➤ मुक्तिबोध ➤ नागार्जुन ➤ त्रिलोचन ➤ धूमिल ➤ दुष्यंतकृष्ण 	<p>पद्य रचनारं</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ पृथ्वीराज रासो ➤ रामचरितमानस ➤ राम की शक्तिपूजा ➤ सरोज स्मृति ➤ कामायनी ➤ मधुशाला ➤ अंधा युग ➤ उर्वशी 	25
<p>पद्य रचनाकार</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ कबीर ➤ सूरदास ➤ मीराबाई ➤ बिहारी ➤ भारद्वाज ➤ मैथिलीशरण गुप्त ➤ महादेवी वर्मा ➤ सुमित्रानंदन पंत ➤ मुक्तिबोध ➤ नागार्जुन ➤ त्रिलोचन ➤ धूमिल ➤ दुष्यंतकृष्ण 	<p>पद्य रचनारं</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ पृथ्वीराज रासो ➤ रामचरितमानस ➤ राम की शक्तिपूजा ➤ सरोज स्मृति ➤ कामायनी ➤ मधुशाला ➤ अंधा युग ➤ उर्वशी 			

ईकाई 3	<p style="text-align: center;">गद्य रचनाकार और उनकी रचनाएँ</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' - उसने कहा था ➤ प्रेमचंद - गोदान , निर्मला , कफन , शतरंज के खिलाड़ी ➤ जयशंकर प्रसाद - पुरस्कार , कंकाल , चंद्रगुप्त ➤ रामचंद्र शुक्ल - चिंतामणी ➤ भगवतीचरण वर्मा - चित्रलेखा ➤ वृंदावनलाल वर्मा - मृगनयनी , झाँसी की रानी ➤ यशपाल - दिव्या , झूठा सच ➤ जैनेंद्र - त्यागपत्र , सुनीता ➤ फणीश्वरनाथ रेणु - मैला आँचल , तीसरी कसम ➤ हजारीप्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल , बाणभट्ट की आत्मकथा ➤ अमृतलाल नागर - नाच्यी बहुत गोपाल ➤ अज्ञेय - शेखर : एक जीवनी ➤ रांगेय राघव - कब तक पुकारूँ ➤ भीष्म साहनी - तमस , कबीरा खडा बाजार में ➤ मन्मू भंडारी - आपका बंटी ➤ कमलेश्वर - राज निरबंसिया , देवा की माँ , मांस का दरिया ➤ निर्मल वर्मा - अंतिम अरण्य ➤ मोहन राकेश - आषाढ का एक दिन ➤ डॉ. शंकर शोष - एक और द्रोणाचार्य ➤ सुरेंद्र वर्मा - मुझे चाँद चाहिए , आठवों सर्ग ➤ कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' - बाजे पायलियों के घुंघरू ➤ हरिशंकर परसाई - पगडंडियों का जमाना ➤ ओमप्रकाश वाल्मीकि - जूठन ➤ रामवृक्ष बेनीपुरी - माटी की मूर्तें 	25
ईकाई 4	<ul style="list-style-type: none"> ➤ भारतीय काव्यशास्त्र की प्रासंगिकता ➤ भारतीय काव्यशास्त्र के संप्रदायों का सामान्य परिचय - रस , ध्वनि , अलंकार , रीति , वक्रोक्ति और औचित्य ➤ रस निष्पत्ति और साधारणीकरण ➤ पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख विचारक - प्लेटो , अरस्तू , लॉजाइनस , टी.एस. इलियट , आई.एस. रिचर्ड्स , कॉचे ➤ स्वच्छंदतावाद , मार्क्सवाद , अस्तित्ववाद , मनोविश्लेषणवाद , यथार्थवाद , संरचनावाद ➤ भाषा की परिभाषा और लक्षण ➤ भाषा का ज्ञान की विभिन्न शाखाओं के साथ संबंध ➤ भाषा और साहित्य का अंतर्संबंध ➤ भाषा और लिपि का संबंध तथा देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं मानकीकरण ➤ भाषा परिवर्तन के कारण और दिशाएँ 	25